Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDQ/D-23 **10854**

बिहारी

Paper–MAH-305

Opt. (V)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दिए गए पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हेरि हिंडोरै गगन तैं परी परी सी टूटि।
धरी धाइ पिय बीच हीं, करी खरी रस लूटि।।
नैंक हँसौंहीं बानि तजि, लख्यौ परत मुहूँ नीठि।
चौका–चनकनि–चौंध मैं परति चौंधि सी डीठि।।

(ख) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन मैं करत हैं, नैननु हीं सब बात।
वाही की चित चटपटी, धरत अटपटे पाइ।
लपट बुझावत बिरह की कपट–भरेऊ आइ।।

(ग) कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।
कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात।।
बंधु भए का दीन के, को तार्‌यौ, रघुराइ।
तूठे तूठे फिरत हौ झूठै बिरद कहाइ।।

(घ) अंग-अंग-नग जगमत दीपसिखा सी देह।

दिया बढ़ाऐं हूँ रहै बड़ौ उज्यारौ गेह।।

छुटी न सिसुता की झलक, झलक्यौ जोबनु अंग।
दीपति देह दुहून मिलि दिपति ताफता-रंग।। (2×8=16)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए :

(क) रीतिकालीन लौकिक साहित्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिकालीन कवियों के सौन्दर्य बोध का उल्लेख कीजिए।

(ख) बिहारी के काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बिहारी की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'बिहारी के काव्य में श्रृंगार की अधिकता के बावजूद प्रकृति चित्रण भी है।' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि बिहारी के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश का उल्लेख कीजिए। (3×12=36)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए। (लगभग 200 शब्दों में) :

(क) केशव की हृदय-हीनता।

(ख) चिन्तामणि का आचार्यत्व।

(ग) रसखान का सौन्दर्य-चित्रण।

(घ) गिरिधर कविराय की कुण्डलियाँ।

(ङ) भूषण की राष्ट्र भक्ति।

(च) 'प्रेम की पीर' के कवि घनानन्द।

(छ) इश्कनामा का काव्य-सौन्दर्य। (4×5=20)

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं'– किस कवि की उक्ति है?

(ख) भूषण की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ग) 'बिहारी-रत्नाकार' के रचयिता कौन हैं?

(घ) बिहारी सतसई किसके निर्देश पर लिखी गई?

(ङ) बिहारी सतसई की प्रसिद्धि का सबसे बड़ा कारण क्या है?

(च) ठाकुर रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं?

(छ) घनानन्द किस बादशाह के मीर मुंशी थे?

(ज) आलम कवि की प्रेयसी का क्या नाम था? (8×1=8)